



गीतार्थ
गंगा

Gitarth Ganga - Jain Religious Research Institute
5, Jain Merchant Soc., Fatehpura Road, Paldi, Ahmedabad 380007.
(Ph.) 079-26604585, 26614585, Email gitarthganga@yahoo.co.in

क्रमांक : 1037

ता. 23/05/2024

प्रति श्री : सुरेन्द्रसूरीश्वरजी जैन तत्त्वज्ञानशाळा

विषय : पुस्तक/प्रत/मेगोझिन प्राप्त हेतु

सादर प्रणाम,

प्रावचनिक प्रभावक षड्दर्शनविशारद प. पू. मुनिप्रवर श्री मोहजितविजयजी म. सा. तथा उनके पट्टधर वर्तमानश्रुतमर्मज्ञाता, धर्मतीर्थसंरक्षक, गच्छाधिपति प. पू. आचार्य भगवंत श्रीमद्विजय युगभूषणसूरीश्वरजी महाराजा (पंडित म. सा.) के मार्गदर्शन में हमारी संस्था सन् 1992 में स्थापित हुई है

उपलब्ध श्रुतज्ञान का दोहन करके संलग्न शास्त्रपाठों से युक्त 10,008 विषयों का समृद्ध विशाल ज्ञानकोष का सर्जन करना संस्था का मुख्य लक्ष्य है। यह लक्ष्य के साथ साथ संस्था में ज्ञानभंडार का भी निर्माण हुआ है, जिसमें 1,25,000 से अधिक पुस्तकें/प्रतें उपलब्ध हैं। जिसके कारण पू. साधु-साध्वीजीभगवंतों को स्वाध्याय, संशोधन हेतु, ग्रंथ सुलभता से प्राप्त होते हैं।

आपके /आपकी संस्था द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित पुस्तक/प्रत/मेगोझिन हमारे ज्ञानभंडार को भेट स्वरूप में भेजिये और साथ में आपके द्वारा प्रकाशित पुस्तक/प्रत/मेगोझिन की सूची भी भेजिये ऐसी नम्र विनंती है।

- अपेक्षित पुस्तक / प्रत की सूची -

क्रम	नाम	नकल
1	Samaraditya mahakatha (set of 3 parts)	2
2	अध्यात्मकल्पद्रुम (गुजराती)	2
3	आनंदघन चौवीसी	2
4	नव स्मरणादि स्तोत्र संग्रह	2
5	प्राकृत अपभ्रंश पाठ्यक्रम	2
6	वाचन आंदोलन	2



गीतार्थ
गंगा

Gitarth Ganga - Jain Religious Research Institute
5, Jain Merchant Soc., Fatehpura Road, Paldi, Ahmedabad 380007.
(Ph.) 079-26604585, 26614585, Email gitarthganga@yahoo.co.in

क्रम	नाम	नकल
7	विमल संग्रह	2
8	श्री ज्ञानपद पूजा	2
9	सम्यक्त्व मूल चार व्रतनी विस्तृत जाणकारी	2
10	सूरिमंत्र आराधनाविधि	2
11	संवेगपरंपराकृतिसंदोह - 1	3

कुल : 23

गीतार्थ गंगा वती,
Shah

विशाल शाह (079-26604585 / 26614585)

(Time : 10:30 - 06:30)